अखिल भारतीय गांधर्व महाविद्यालय मंडल, मुंबई.

परीक्षा सत्र : नवम्बर-दिसम्बर 2022

परीक्षा का नाम : अलंकार पूर्ण (द्वितीय प्रश्नपत्र)

विषय : गायन तथा स्वरवाद्य वादन

दि. 20/11/2022 समय : दोपहर 2 से 5 कुल अंक : 100

सूचनाएँ : (1) कुल सात प्रश्नोंमें से केवल पाँच प्रश्न के उत्तर लिखिये ।
(2) सभी प्रश्नों के अंक समान है ।

प्रश्न 1. संगीत रचनामें काव्यार्थ एवं भाषाका चुनाव, स्वर-शब्द संयोग, लय इनका क्या महत्त्व है- इसका विस्तृत विवेचन करे। (20)

प्रश्न 2. निम्नलिखित संगीत तज्ञोंका संगीत में दिया हुआ योगदान स्पष्ट करे। (किन्ही 2) (10+10=20)

1) पं.विष्णु दिगंबर पलुसकर 2) रवींद्रनाथ टागोर
3) के.सा.डि.बृहस्पती 4) प्रो.प्रेमलता शर्मा

प्रश्न 3. भारतीय संगीतके अंतर्गत वाद्योंका वर्गीकरण का विवेचन करते हुए निम्नलिखित किन्ही चार वाद्योंका परिचय दीजिए। (5X4 = 20)

1) चित्रा 2) कांस्य 3) मृदंग
4) मत्त कोकिला 5) त्रितन्त्री

प्रश्न 4. टिप्पणियाँ लिखे। (कोई 2) (10+10=20)

1) पार्श्वकंठसंगीत 2) वृंदगान 3) संगीतिका

प्रश्न 5. शारंगदेवकालीन संगीत, तथा मध्यकालमें भारतीय संगीत एवं अन्य संगीतपध्दतीका पारस्पारिक सम्बन्ध इन विषयपर विस्तृत विवेचन करे। (20)

प्रश्न 6. निम्नलिखित बंदिश पाठ्यक्रमके सही राग और तालमें स्वरलिपीबध्द करें। **(20)**

गुरु की महिमा कौन जाने
ग्यान ध्यान सब उनसे पावे।।
गुरु की सेवा निसदित करो री
तबही सब सुख पावे।।

प्रश्न 7. अ) रिक्त स्थानोंकी पूर्ति कीजिए। **(10)**

1) 'स्वरमेलकलानिधी' इस ग्रंथके रचयिता - - - - - - थे।

2) भारतीय साहित्यके दो महान ग्रंथ 'रामायण' और 'महाभारत' इनकी निर्मिती - - - - - - कालमें हुई थी।

3) वाद्यवादनके शैलीयोंके - - - - - - और - - - - - - ये दो प्रकार होते है।

4) प्राचीन कालमें धृपदगायनके लिये - - - - - - की साथसंगत ली जाती थी।

5) - - - - - - ये तामिल महाकाव्य इ.स.पूर्व दुसरे शतकके उत्तरार्धमें लिखा हुआ था।

6) ठुमरी शैलीके - - - - - - और - - - - - - ये दो प्रकार माने जाते है।

7) वर्णम् शैलीके - - - - - -, - - - - - - -, - - - - - -, - - - - - - ये चार प्रकार है।

8) कर्नाटकी तालपध्दतीनमें - - - - - - मुख्य ताल है।

9) 'छंदोमंजिरी' नामका पुस्तक - - - - - - ने लिखी थी।

10) 'शांती निकेतनमें' विश्वभारती युनिव्हसिटी की स्थापना - - - - - - - - - - - ने की।

ब) जोडियाँ लगाइए। (10)

अ	ब
1) तंतुवाद्य	1) वीणा
2) सुषिरवाद्य	2) डमरु
3) अवनध्द वाद्य	3) चिपळ्या
4) घनवाद्य	4) तंबुरी
5) इतर वाद्ये	5) एकतारी
6) हनुमंत	6) काष्ठतरंग/तबलातरंग
7) संत मीरा	7) टाळ
8) श्रीशंकर	8) नगारा
9) नारदमहर्षी	9) पुंगी
10) सरस्वतीदेवी	10) संतुर